जलशोधन संयंत्र के शोधित पानी का फार्म क्षेत्र में होगा इस्तेमाल

संजीव गुप्ता ● नई दिल्ली

एलजी के निर्देश पर लागू हो रहा जल शक्ति अभियान, दक्षिणी रिज क्षेत्र के 6,200 हेक्टेयर में भूजल रिचार्ज करने की है योजना

उपराज्यपाल (एलजी) अनिल बैजल के निर्देश पर राजधानी में जल शक्ति अभियान को लागू किया जा रहा है। इसके तहत जलशोधन संयंत्र में पानी को शोधित कर उसका विस्तृत फार्म क्षेत्र में इस्तेमाल किया जाएगा। इससे शुद्ध पानी की बचत होगी और दिल्ली में जल संकट को दूर किया जा सकेगा। इसके तहत घिटोरनी में जलशोधन संयंत्र बनाया जा रहा है, जो अप्रैल में बन जाएगा। इस संयंत्र में शोधित जल से 158 एकड़ में फैले जौनापुर फार्म में सिंचाई की जाएगी। साथ ही संयंत्र द्वारा शोधित जल का उपयोग सुलतानपुर में 180 एकड़ क्षेत्र के साथ 350 एकड़ में फैले मांडी फार्म और 120 एकड़ में फैले डेरा फार्म में भी इस्तेमाल होगा।

इसी क्रम में महरौली में बन रहे जलशोधन संयंत्र से छतरपुर और सतबरी के 1,100 एकड़ फार्म क्षेत्र में सिंचाई का काम हो सकेगा। कापसहेड़ा सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) से बिजवासन में 450 एकड़ फार्म भूमि में सिंचाई की सुविधा मिल सकेगी।

दूसरे, जल शक्ति अभियान के तहत राजधानी के रिज क्षेत्र (वन भूमि) में भी भूजल रिचार्ज करने की योजना है। एलजी ने रिज क्षेत्र में जल के रिचार्ज करने की महत्वाकांक्षी योजना का जायजा लिया और टेंडर जारी कर जल रिचार्ज की योजना को जल्द कार्यान्वित करने के लिए कहा है। इसके तहत दक्षिणी रिज क्षेत्र के 6,200 हेक्टेयर क्षेत्र में जल रिचार्ज करने की योजना है। इसके लिए घिटोरनी जलशोधन संयंत्र से पानी मुहैया कराया जाएगा।

सेंट्रल रिज के 864 हेक्टेयर क्षेत्र तो सुरक्षित वन क्षेत्र के 2,756 क्षेत्र में जल को रिचार्ज किया जाएगा। इसके लिए ओखला एसटीपी से पानी उपलब्ध कराया जाएगा। सिटी फारेस्ट के 266 हेक्टेयर क्षेत्र में भी भूजल को रिचार्ज किया जाएगा। इसके लिए ओखला एसटीपी से पानी उपलब्ध कराया जाएगा। गढ़ी मांडू में 170 हेक्टेयर में भूजल रिचार्ज करने की योजना है। इसके लिए यमुना विहार एसटीपी से जल उपलब्ध कराया जाएगा।